बौद्धिक संपदा विषय पर वेबिनार का आयोजन

बौद्धिक संपदा से जुड़े कोर्सेस शुरू करने का सुझाव

प्रयागराज (अमृतप्रभात)। शनिवार को राजधानी के शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में बौद्धिक संपदा अधिनियम की मूल बातें विषय पर वेबीनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्रभारी प्रधानार्य राजीव चौबे के द्वारा किया गया। इस मौके पर वेब प्रभारी एवं वेबिनार की समन्वयक डॉ. कल्पना झा ने अतिथियों का परिचय दिया। वेबिनार के मुख्य वक्ता डॉ. अजय कुमार भारद्वाज असिस्टेंट कमिश्नर स्टाम्प डयूटी विभाग प्रयागराज द्वारा अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि, बौद्धिक संपदा क्या है, तथा इसके द्वारा पेटेंट, कॉपीराइट एवं अधिनियम के बारे में काफी विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।



कार्यक्रम के विशेष वक्ता डॉ. नरेन्द्र शर्मा प्रधानाचार्य आर्यमहाविद्यालय द्वारा बताया कि हम लोगों के लिए बौद्धिक संपदा अधिनियम भारत की धरा करते हैं। जो ऐसी स्थिति में देश के उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा बौद्धिक संपदा अधिनियम के तहत शोधों का पेटेंट कराकर और भी अधिक जानकारी हो जाता है। जैसे विज्ञान की तकनीकि जानकारियों से औषधि पौधों से जुड़े ज्ञान को पेटेंट कराकर है। शर्मा ने यह भी कहा कि, उच्च शिक्षण संस्थानों में बौद्धिक संपदा से जुड़े ज्ञान की जानकारी विद्यार्थी का सीधा फायदा यहां अध्ययन करने वाले छात्रों को भी होगा, जो कि आगे चलकर अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। उन्होंने संस्थानों में बौद्धिक संपदा से जुड़े अध्ययनों को अपनाने और इससे जुड़े कोर्सेस भी शुरू करने का सुझाव दिया। विषय विशेषज्ञों के मार्गदर्शन द्वारा इसे आगे चलकर व्यवसाय के तौर पर भी अपना सकते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. एस एस रघुवंशी, अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा, कर्वटापुरम संभाग, द्वारा अपने संबोधन में बौद्धिक संपदा विषय पर आयोजित इस वेबिनार को आगत उपयोगी बताया गया, उन्होंने कहा कि, इससे छात्रावासों, छात्रों और समाज को भी लाभ मिलेगा, और बौद्धिक संपदा को लेकर जागरूकता आएगी। वेबिनार का संचालन आरंभ भूर्ई द्वारा किया गया, अतिथियों का आभार डॉ. कल्पना झा ने व्यक्त किया।

"दैनिक पृथ्वी लहर" दिनांक 5.12.2020